प्रकाशन तिथि : 15 जून, 2022
प्रेषण तिथि : 19 जून, 2022

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2021-23
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 26 | अंक 07 | कुल पृष्ठ: 8 | एक प्रति: रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

परिणाम की चिंता छोड़ कर कर्मरत होवें: संरक्षक श्री

(बाड़मेर में श्री प्रताप फाउंडेशन के तत्वाधान में होगा किसान सम्मेलन)

श्री क्षत्रिय युवक संघ वर्षों से समाज जागरण के क्षेत्र में कार्य कर रहा है। इस दौरान यह भी मांग आई कि समाज के लोगों को राजनीतिक रूप से जागृत करने के लिए, समाज का मत प्रतिशत बढ़ाने के लिए संगठित रूप से कार्य किया जाना चाहिए और उसी मांग के अनुरूप श्री क्षत्रिय युवक संघ के आनुषंगिक संगठन के रूप में श्री प्रताप फाउंडेशन का गठन हुआ जो राजनीतिक क्षेत्र में हमारे समाज की भागीदारी को बढ़ाने के लिए निरंतर कर्मशील है। जमाने के अनुसार सबको साथ लेकर चलना आवश्यक है, साथ ही हम जो कार्य करते हैं वह सार्वजनिक रूप से सबको दिखाई पड़ना चाहिए, इसलिए प्रचार के साधनों का भी सदुपयोग करना है। यह कार्य

सफल होगा, क्योंकि यह उद्देश्य आपका नहीं भगवान का है। हम पवित्र हृदय से, निर्मल हृदय से कोई निर्णय करते हैं तो उसकी बागडोर भगवान स्वयं अपने हाथ में ले लेते हैं, उसके योग-क्षेम का वहन वे स्वयं करते हैं। इसलिए सफलता-असफलता की चिंता छोड़ कर कर्मरत होना चाहिए। निश्चित रूप से हम जहां हैं प्रयास करने पर उससे एक कदम आगे ही बढ़ेंगे।

(शेष पृष्ठ 6 पर)

उत्साहपूर्वक मनाई सम्राट पृथ्वीराज चौहान की जयंती

अजमेर

10 जून को ब्यावर स्थित आशापुरा माता मंदिर के परिसर में पृथ्वीराज चौहान की जयंती के उपलक्ष में विशाल आम सभा का आयोजन किया गया। पृथ्वीराज चौहान जन्मोत्सव पखवाड़े की पूर्णाहुति के दिन आयोजित इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि पृथ्वीराज चौहान वीरता, उदारता, बलिदान और शौर्य के प्रतीक हैं। धर्म की रक्षा के मार्ग में उन्होंने अपना जीवन न्योछावर कर दिया। आज भी देश में जिस प्रकार की विपरीत परिस्थितियां हैं उनका सामना करने के लिए हमें पृथ्वीराज जी की तरह वीर तो बनना ही पड़ेगा लेकिन साथ ही संगठित होकर भी लड़ना पड़ेगा। पूर्व सांसद इज्यराज सिंह कोटा ने कहा कि पृथ्वीराज चौहान उनके पूर्वज हैं

(शेष पृष्ठ 7 पर)

अपने भीतर ढूंढे महाराणा प्रताप को: सरवड़ी

(देशभर में उत्साह और श्रद्धा से मनाई महाराणा प्रताप की 482वीं जयंती)

महाराणा प्रताप के चरित्र की अनेक ऐसी विशेषताएं हैं जिनके कारण ही वे सभी के लिए सम्मानीय हैं। सबके साथ मिलकर चलना, आत्म सम्मान को बनाए रखना, स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करना और उसके लिए सर्वस्व न्योछावर कर देना, नारी जाति का सम्मान करना आदि उनकी ऐसी ही विशेषताएं हैं। उनके चरित्र बल ने ही अब्दुर्रहीम खानखाना को कृष्ण भक्त रहीम दास बना दिया। महाराणा प्रताप विश्व भर में संघर्षशीलता के पर्याय रहे हैं। विश्व के स्वतंत्रता प्रेमियों द्वारा उन्हें प्रेरणास्रोत के रूप में सम्मान दिया जाता है तो हम क्यों न उनसे प्रेरणा प्राप्त करके अपने जीवन में निखार लाएं? जो एक कविता गाई जाती है कि - वो महाराणा प्रताप कहां? तो हम अपने

जयपुर

आप में महाराणा प्रताप को ढूंढें। उनमें और हम में क्या अंतर है और उस अंतर को हम कैसे मिटाएं, इसका चिंतन करें। धीरे-धीरे प्रयास करके हम अपने भीतर भी ऐसे संस्कारों का निर्माण करें तो हमें उन्हें ढूंढने की आवश्यकता नहीं रहेगी, बल्कि घर-घर में महाराणा प्रताप पैदा हो जाएंगे। उपरोक्त बातें श्री क्षत्रिय युवक संघ के समन्वयक व श्री प्रताप फाउंडेशन के संयोजक माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी ने सिरसी बाग, सिरसी रोड जयपुर में 5 जून को आयोजित महाराणा प्रताप जयंती कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

श्री क्षत्रिय युवक संघ संगठनात्मक स्वरूप 2022-23

मार्गदर्शन व संरक्षण: माननीय भगवानसिंह जी रोलसाहबसर
संघप्रमुख: श्री लक्ष्मणसिंह बैण्याकाबास
समन्वयक: श्री महावीर सिंह सरवाड़ी

केन्द्रीय कार्यकारी

शिविर व शिविर शिक्षण: श्री गजेन्द्रसिंह आऊ
शाखा व शाखा शिक्षण: श्री प्रेमसिंह रणधा
लेखा, संस्थान व संयोमा: श्री गंगासिंह साजियाली
विस्तार राजस्थान व गुजरात: श्री कृष्णसिंह जी राणीगांव
विस्तार (शेष भारत): श्री महेन्द्रसिंह पांची (सम्पूर्ण भारत)
प्रकाशन, प्रचार-प्रसार, रिकॉर्ड व आनुषंगिक संगठन: श्री रेवंतसिंह पाटोदा

केन्द्रीय विभाग

शिविर लेखा: श्री दीपसिंह बैण्याकाबास
शाखा लेखा: श्री छनुभा पच्छेगांव (सम्पूर्ण भारत), श्री धर्मेन्द्रसिंह आम्बली (गुजरात)
संघशक्ति-पथप्रेरक सदस्यता लेखा: श्री गणपतसिंह अवाय
इतिहास लेखन व संरक्षण: श्री खींवसिंह सुल्ताना
महिला विभाग: श्री जोरावर सिंह भादला

वेबसाइट व सोशल मीडिया: श्री अभयसिंह रोड़ता, श्री हर्षवर्धन सिंह रेड़ा
रिकॉर्ड विभाग-ऑडियो, वीडियो, फोटो व लिखित सामग्री: श्री बृजराजसिंह लारडा, श्री जितेन्द्रसिंह देवली, श्री श्यामसिंह चिरनोटिया
विज्ञापन विभाग (संघशक्ति): श्री जितेन्द्रसिंह देवली

संभाग प्रमुख एवं प्रांत प्रमुख

1. संभाग जयपुर
संभाग प्रमुख: श्री राजेन्द्रसिंह बोबासर

प्रांत:		
	जयपुर शहर	श्री सुधीर सिंह ठाकरियावास
	जयपुर ग्रामीण दक्षिण पश्चिम:	श्री देवेन्द्रसिंह बड़वाली
	जयपुर ग्रामीण उत्तर पूर्व:	श्री रामसिंह अकदड़ा
	बुंदेलखण्ड:	श्री जितेन्द्रसिंह सिसरवादा

2. संभाग पूर्वी राजस्थान
संभाग प्रमुख: श्री मदनसिंह बामण्या

	दौसा	श्री नानूसिंह रूखासर
	अलवर	श्री गजराजसिंह पीपली
	दिल्ली	श्री रेवतसिंह धीरा

3. संभाग नागौर
संभाग प्रमुख: श्री शिम्भुसिंह आसरवा

प्रान्त:		
	नागौर	श्री उगमसिंह आशापुरा
	कुचामन	श्री नत्थूसिंह छापड़ा
	लाडनूं	श्री विक्रमसिंह ढींगसरी

4. संभाग बीकानेर
संभाग प्रमुख: श्री रेंवतसिंह जाखासर

प्रांत:		
	बीकानेर-श्री डूंगरगढ़	श्री राजेन्द्रसिंह आलसर
	नोखा कोलायत	श्री करणीसिंह भेलू
	बीकानेर उत्तर	श्री शक्तिसिंह आशापुरा

5. संभाग शेखावाटी
संभाग प्रमुख: श्री खींवसिंह सुल्ताना

प्रांत:		
	चुरू	श्री किशनसिंह गौरीसर
	शेखावाटी	श्री जुगराज सिंह जुलियासर

6. संभाग बाड़मेर
संभाग प्रमुख: श्री महिपाल सिंह चूली

प्रांत:		
	बाड़मेर शहर	श्री छगनसिंह लुणू
	शिव	श्री राजेन्द्रसिंह भियाड़-2
	चौहटन	श्री लालसिंह आकोड़ा
	गुड़ामालानी	श्री गणपतसिंह बूठ

7. संभाग बालोतरा
संभाग प्रमुख: श्री मूलसिंह काठाड़ी

प्रांत:		
	बालोतरा	श्री चन्दनसिंह थोब
	सिवाना	श्री मनोहरसिंह सिणेर
	बायतु	श्री मूलसिंह चांदेसरा

8. संभाग जैसलमेर
संभाग प्रमुख: श्री तारेन्द्रसिंह जिंजनियाली

प्रांत:		
	जैसलमेर शहर	श्री नरेन्द्रसिंह तेजमालता
	चांधन	श्री उम्मेदसिंह बडोड़ागांव
	म्याजलार	श्री ईश्वरसिंह बेरसियाला
	जिंजनियाली	श्री भोजराजसिंह तेजमालता
	रामगढ़	श्री पदमसिंह रामगढ़
	पोकरण	श्री नरपतसिंह राजगढ़
	रामदेवरा-नाचना	श्री अमरसिंह रामदेवरा

9. संभाग जोधपुर
संभाग प्रमुख: श्री चन्द्रवीरसिंह देणोक

प्रांत:		
	जोधपुर-लूणी	श्री भरतपाल सिंह दासपां
	शेरगढ़	श्री भैरूसिंह बेलवा
	भोपालगढ़-बिलाड़ा	श्री चैनसिंह साथीन
	फलोदी-ओसियां	श्री भवानीसिंह पीलवा

10. संभाग जालोर
संभाग प्रमुख: श्री अर्जुनसिंह देलदरी

प्रांत:		
	पाली	श्री मोहब्बत सिंह धींगाणा
	जालोर	श्री खुमानसिंह दूदिया
	भीममाल-सायला-जसवंतपुरा	श्री नाहरसिंह जाखड़ी
	सांचौर-रानीवाड़ा	श्री महेन्द्रसिंह कारोला
	सिरोही	श्री ईश्वरसिंह सरणकाखेड़ा

11. संभाग मेवाड़ बागड़
संभाग प्रमुख: श्री भंवरसिंह बेमला

प्रांत:		
	संभागीय विस्तारक	श्री हनुवन्तसिंह एसएसड़ा
	उदयपुर	श्री दलपतसिंह गुड़ाकेशरसिंह
	डूंगरपुर-बांसवाड़ा	श्री टैंकबहादुरसिंह गेहूंवाड़ा
	प्रतापगढ़	श्री दिग्विजयसिंह लाम्बापारड़ा

12. संभाग मेवाड़ मालवा
संभाग प्रमुख: श्री बृजराज सिंह खारड़ा

प्रांत:		
	अजमेर	श्री विजयराजसिंह जालिया
	भीलवाड़ा	श्री कानसिंह खारड़ा
	चित्तौड़गढ़	श्री दिलीपसिंह रूद
	मालवा	श्री गुमासिंह वालाई
	हाड़ौती	श्री वीरेन्द्रसिंह तलावदा

13. संभाग गोहिलवाड़-सौराष्ट्र
संभाग प्रमुख: श्री प्रवीण सिंह धोलेरा

प्रांत:		
	भावनगर शहर	श्री यशपालसिंह थलसर
	भाल	श्री जयपालसिंह धोलेरा
	मोरचंद	श्री राजेन्द्रसिंह मोरचंद-2
	खोड़ियार	श्री घनश्यामसिंह बावड़ी
	झालावाड़	श्री घनश्यामसिंह डेरवाला
	कच्छ	श्री वनराजसिंह भैसाणा
	हालार	श्री शक्तिसिंह कोटड़ा-नायाणी

14. संभाग मध्य गुजरात
संभाग प्रमुख: श्री अणदुभा काणेटी

प्रांत:		
	अहमदाबाद-गांधीनगर	श्री दिग्विजयसिंह पलवाड़ा
	अहमदाबाद-ग्रामीण	श्री बटुकसिंह काणेटी
	चरोत्तर	श्री अरविन्दसिंह काणेटी

15. संभाग उत्तर गुजरात
संभाग प्रमुख: श्री विक्रमसिंह कमाणा

प्रांत:		
	मेहसाणा	श्री इन्द्रजीत सिंह जेतलवासना
	बनासकांठा	श्री अजीतसिंह कुणघेर
	अरवल्ली	श्री राजेन्द्रसिंह भैसाणा
	पाटण	श्री धर्मेन्द्रसिंह मोटीचन्दूर

16. संभाग महाराष्ट्र
संभाग प्रमुख: श्री नीरसिंह सिंघाना

प्रांत:		
	मुम्बई	श्री रणजीतसिंह आलासन
	पूणे	श्री पवनसिंह बिखरण्या
	सूरत	श्री खेतसिंह चान्देसरा

संभागीय और प्रांतीय कार्ययोजना बैठकों का आयोजन

उच्च प्रशिक्षण शिविर के पश्चात सत्र 2022-23 के लिए कार्ययोजना बनाने के लिए विभिन्न संभागों और प्रांतों में कार्ययोजना बैठकों का दौर प्रारंभ हुआ। इन बैठकों में विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा हुई यथा - सत्र 2022-23 के संगठनात्मक स्वरूप की जानकारी देना, प्रांत प्रमुखों का क्षेत्र निर्धारित कर उनके कार्य के बारे में जानकारी देना, सत्र 2022-23 के शिविरों के स्थान व तिथियां तय करना, सत्र 2021-22 में लगी शाखाओं की समीक्षा करना एवं सत्र 22-23 के लिए संभावित शाखाओं के लक्ष्य तय करना, मंडल प्रमुखों का दायित्व व क्षेत्र तय करना एवं उनके कार्यों की जानकारी देना, केन्द्रीय कार्यकारी व विभाग प्रमुखों के संभागीय सहयोगी व प्रांतीय सहयोगी तय कर उनको उनका कार्य बताना आदि। बैठकों में राजस्थान व गुजरात के अतिरिक्त शेष भारत में कार्य विस्तार हेतु सभी संभागों से संभावित सहयोगियों की सूची बनाकर केन्द्रीय कार्यकारी विस्तार (शेष भारत) को भेजने की प्रक्रिया भी प्रारंभ की गई। 'संघशक्ति' व 'पथप्रेरक' के ग्राहक लक्ष्य तय कर उन्हें पूरा करने के लिए समय सीमा भी तय की गई। सभी केन्द्रीय कार्यकारियों व केन्द्रीय विभागों के कार्यों की संभाग स्तरीय योजना बनाने व उसकी नियमित समीक्षा का कैलेण्डर तय करने का कार्य भी बैठक के दौरान किया गया। सभी कार्यों की नियमित रिपोर्टिंग की व्यवस्था को सुचारू बनाने पर भी चर्चा हुई। 31 मई को जयपुर संभाग में कार्ययोजना बैठक की तैयारी बाबत छोटी बैठक संघशक्ति में संपन्न हुई जिसको संबोधित करते हुए माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास ने कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ का कार्य बातें करने का नहीं बल्कि अनवरत कर्म करते हुए समाज को जागृत करने का है। हमें संघ के स्वयंसेवक के रूप में लगातार कर्म में जुटे रहना है, क्योंकि समाज हमसे तभी प्रभावित होगा जब हमारे द्वारा कही जाने वाली बात को हम स्वयं आत्मसात करें और अपने आचरण में उतारें। हमारी प्रत्येक गतिविधि संघ के सापेक्ष होगी तभी हमारे जीवन में परिवर्तन आयेगा। हमारे स्वयं के परिवार के बालक-बालिकाओं को हमें प्राथमिकता से संघ जोड़ने की आवश्यकता है तभी

जोधपुर

संघ अगली पीढ़ी तक पहुंचेगा। बैठक में 16 से 19 जून तक दूदू क्षेत्र के हट्टूपूरा में शिविर आयोजित करने का भी निर्णय हुआ। इसी प्रकार 5 जून को नागौर संभाग की बैठक कुचामन सिटी स्थित आयुवान निकेतन कार्यालय में माननीय संघप्रमुख श्री के सान्निध्य में साधना संगम संस्थान के तत्वावधान में संपन्न हुई। माननीय संघप्रमुख श्री ने उपस्थित स्वयंसेवकों से कहा कि वेदों में विश्वात्मा के दृष्टिकोण से अपने दायित्व को पहचानने और उसे पूरा करने की बात कही गई है, उसी प्रकार हमें भी संघ में अपने दायित्व को समझ कर उसे पूरा करने के लिए मन, कर्म और वचन से लग जाना है। जो दायित्व हमें श्री क्षत्रिय युवक संघ के द्वारा सौंपा गया है उसे पूरा करने के लिए नई ऊर्जा के साथ कार्य में जुट जाएं। अपने आप को ऊर्जावान बनाए रखने के लिए संघ साहित्य का नियमित अध्ययन करते रहें तथा अपने शिक्षकगणों के निरंतर संपर्क में रहें। हमारा परस्पर संपर्क लगातार बना रहेगा तभी हम सांघिक गतिविधियों के संचालन में सक्रिय सहयोगी बन सकेंगे। संभाग प्रमुख शिंभू सिंह आसरवा सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। 5 जून को ही जालौर संभाग की बैठक देसू गांव में ईश्वर सिंह देसू के आवास पर संपन्न हुई। बैठक में केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने कहा कि जिस प्रकार एक परिवार में सभी अपने-अपने दायित्व को प्रसन्नता पूर्वक अपना कर्तव्य समझकर पूरा करते हैं, उसी प्रकार संघ रूपी इस वृहद परिवार में भी हमें अपने दायित्वों को पूरा करते हुए समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक संघ को पहुंचाना है। संभाग प्रमुख अर्जुन सिंह देलदरी ने बैठक का संचालन किया व बिंदुवार सभी से चर्चा कर कार्ययोजना बनाई। बैठक में जालोर, सिरोही, पाली, भीनमाल व सांचोर प्रांतों के प्रांतप्रमुख अपने सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। बीकानेर संभाग की बैठक भी इसी दिन संभागीय कार्यालय नारायण निकेतन में आयोजित हुई जिसमें संभाग प्रमुख रेवंत सिंह जाखासर ने नए सत्र के लिए दायित्व निर्धारित किए। संभाग के विभिन्न क्षेत्रों में संपर्क यात्राओं के आयोजन व महापुरुषों की जयंतिया बनाने पर भी चर्चा हुई। गुजरात में गोहिलवाड़ संभाग की बैठक भावनगर शहर में केंद्रीय कार्यकारी महेंद्र सिंह पांची के प्रतिष्ठान पर आयोजित हुई। बैठक में बताया गया कि श्री क्षत्रिय युवक संघ के कार्य की मांग सभी क्षेत्रों में निरंतर बढ़ रही है और हीरक जयंती महोत्सव के बाद इस मांग में अत्यधिक वृद्धि हुई है। इस मांग को पूरा करने के लिए हम सबको अपनी पूरी क्षमता से कार्य में जुटना होगा। केन्द्रीय शाखा लेखा प्रभारी छन्नुभा पच्छेगाम, गुजरात के शाखा लेखा प्रभारी धर्मेंद्र सिंह आमली, संभाग प्रमुख प्रवीण सिंह धोलेरा सहयोगियों सहित बैठक में उपस्थित रहे। मध्य गुजरात संभाग की बैठक अहमदाबाद शहर के निकट भाट गांव स्थित श्री स्वामीनारायण इंजीनियरिंग कॉलेज में संपन्न हुई जिसमें संभाग प्रमुख अणदु भा काणेटी ने कहा कि संघ कार्य में नियमितता और निरंतरता बनी रहना आवश्यक है, इसलिए

जैसलमेर

हम पूरे वर्ष सुचारू रूप से कार्य करते रहें, ऐसा हम सभी का प्रयास हो। वरिष्ठ स्वयंसेवक दीवान सिंह कानेटी भी सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। जोधपुर संभाग में ओसियां फलोदी प्रांत की बैठक बेदू गांव में संपन्न हुई जिसमें संभाग प्रमुख चंद्रवीर सिंह देणोक सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर माननीय संरक्षक श्री के निदेर्शानुसार यथार्थ गीता का वितरण भी किया गया। सूरत प्रांत की बैठक भी 5 जून को संपन्न हुई जिसमें प्रांतप्रमुख खेत सिंह चादेसरा सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। उत्तर गुजरात संभाग की बैठक 7 जून को राइट वे पैकेजिंग इंडस्ट्रीज चांगोदर, अहमदाबाद के परिसर में आयोजित हुई। संभाग प्रमुख विक्रम सिंह कमाणा ने बैठक में उपस्थित स्वयंसेवकों से कहा कि जो कुछ संघ से हमने पाया है उसे समाज तक ले जाना हमारा दायित्व है। अपने आप का निर्माण करके हमें समाज का निर्माण करना है इसलिए सदैव इस बात पर चिंतन करते रहें कि श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक के रूप में हमारा जीवन श्रेष्ठता की ओर बढ़ रहा है अथवा नहीं। बनासकांठा प्रांत प्रमुख अजीत सिंह कुणघेर, पाटन प्रांत प्रमुख धर्मेंद्र सिंह मोटी चंदूर व अरवली-साबरकांठा प्रांत प्रमुख राजेंद्र सिंह भेसाणा सहयोगियों सहित बैठक में उपस्थित रहे। 11 जून को संघशक्ति जयपुर में पूर्वी राजस्थान संभाग की संभागीय बैठक आयोजित हुई जिसमें संभागप्रमुख मदन सिंह बामणिया ने बताया कि पूर्वी राजस्थान संभाग के दौसा, अलवर और दिल्ली एनसीआर प्रांतों में संघ कार्य को विस्तार देने के लिए हम सभी को मिलकर कार्य करना है। स्नेहमिलन, जयंतियों, विचार गोष्ठियों, आनुषंगिक संगठनों की गतिविधियों आदि के माध्यम से हमें संघ को अधिकाधिक व्यक्तियों तक पहुंचाना है। 12 जून को जोधपुर संभाग की कार्य योजना बैठक संभागीय कार्यालय 'तनायन' में संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय कार्यकारी प्रेम सिंह रणधा ने कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ का कार्य पूरे समाज तक पहुंचे यह केवल हमारी ही नहीं बल्कि समाज की भी चाह और मांग है। यदि हम इसे पूरा नहीं करते हैं तो यह हमारी अकर्मण्यता होगी। आलस्य और अकर्मण्यता को छोड़कर हमें कर्मरत होना पड़ेगा, तभी हमको संघ की ओर से जो दायित्व दिया गया है उसे हम पूरा कर सकेंगे। संभाग प्रमुख चंद्रवीर सिंह देणोक ने उपस्थित स्वयंसेवकों को सत्र 2022-23 के लिए विभिन्न दायित्व सौंपते हुए उनसे निष्ठापूर्वक कार्य में लग जाने की बात कही। 12 जून को ही चूरू स्थित श्री बणीर राजपूत छात्रावास में शेखावाटी संभाग की कार्य योजना बैठक भी संपन्न हुई। संभागप्रमुख खींव सिंह सुल्ताना ने उपस्थित स्वयंसेवकों से कहा कि शेखावाटी क्षेत्र में संघ कार्य को और अधिक गति देने की आवश्यकता है। इसके लिए केंद्र के निदेर्शानुसार प्रत्येक स्वयंसेवक को कोई ना कोई दायित्व लेना और उसे पूरा करना है। जैसलमेर संभाग की कार्य योजना बैठक भी 12 जून को संभागीय कार्यालय 'तनाश्रम' में संपन्न हुई। केंद्रीय कार्यकारी गजेंद्र सिंह आऊ ने बैठक में उपस्थित स्वयंसेवकों से कहा कि योजनाबद्ध रूप से कार्य किया जाए तो परिणाम अधिक अनुकूल रहते हैं। संभाग प्रमुख तारेन्द्र सिंह झिनझिनयाली उपस्थित स्वयंसेवकों को बताया कि संभाग को 7 प्रांतों (जैसलमेर शहर, रामगढ़, झिनझिनयाली, म्याजलार, पोकरण, चांधन व रामदेवरा-नाचना) में बांटा गया है। इन प्रांतों को आगे 36 मंडलों में विभक्त किया गया है। उन्होंने स्वयंसेवकों को विभिन्न दायित्व सौंपे और निर्धारित लक्ष्यों को तय समयसीमा में प्राप्त करने की बात कही। संभाग में आगामी सत्र में 18 बालक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर, दो बालिका प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर व दो माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर के प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई, साथ ही 119 नई शाखाएं भी प्रस्तावित हुई। बालोतरा संभाग की कार्ययोजना बैठक भी इसी दिन संपन्न हुई। वीर दुर्गादास राजपूत छात्रावास में आयोजित बैठक में संभागप्रमुख मूल सिंह काठाडी ने उपस्थित स्वयंसेवकों को आगामी सत्र के लिए दायित्व सौंपे और कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ का कार्य निरंतर चलने वाला कार्य है इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता नहीं आनी चाहिए। हम सब मजबूत रहकर अपना दायित्व निर्वहन करेंगे तभी हमारा संगठन भी मजबूत बनेगा।

संपादकीय

इतिहास और साहित्य

इतिहास बीती हुई घटनाओं का तथ्यात्मक वर्णन होता है। इसमें उक्त घटना के संबंध में उपलब्ध स्रोतों के आधार पर लेखन होता है और यह अंतिम भी नहीं होता क्योंकि स्रोतों की खोज निरंतर जारी रहती है और नवीन खोजों के आधार पर नये तथ्य सामने आने पर इतिहास के वर्णन में भी परिवर्तन आ जाता है। इसीलिए इतिहास निरंतर शोध का विषय है और ऐसे शोध पूर्ण लेखों से ही इतिहास लिखा जाता है। हमारी संस्कृति निष्काम कर्मयोग की उपासना करती है इसलिए अपने ही द्वारा अपना ही इतिहास लिखवाने की परंपरा हमारे यहां नहीं रही इसलिए हमारे यहां प्राचीन काल का विशुद्ध ऐतिहासिक लेखन उपलब्ध नहीं होता और ऐसे में अन्य उपलब्ध स्रोतों का अध्ययन कर इतिहासकार उनमें से इतिहास ढूंढते हैं और उसे लिपिबद्ध कर व्यवस्थित रूप प्रदान करते हैं। पश्चिम में अपने जीवित रहते ही अपनी स्वयं का इतिहास लिखवाने की परंपरा रही इसलिए हमारे यहां भी मुस्लिम आक्रमणों के बाद शासक बने आक्रांताओं ने अपना इतिहास लिखने के लिए दरबारी इतिहासकार नियुक्त किए लेकिन उनकी वस्तुनिष्ठता को संदिग्ध ही माना जाता है क्योंकि वे स्वतंत्र इतिहासकार न होकर वेतनभोगी कर्मचारी थे। लेकिन फिर भी उनमें एक क्रमबद्ध इतिहास मिलने की संभावना बनी रहती है लेकिन हमारी भारतीय परंपरा के शासकों के यहां ऐसे दरबारी इतिहासकारों की परंपरा नहीं मिलती और इसीलिए हमारे इतिहास की जानकारी के लिए तत्सामयिक अन्य स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ता है। इनमें साहित्य प्रमुख स्रोत है। इसके अलावा उस समय के या उनके परवर्ती शासकों के शिलालेख आदि भी महत्वपूर्ण स्रोत हैं। हमारे सभी भारतीय शासकों ने साहित्यकारों का भरपूर पोषण किया लेकिन हमारे यहां दरबारी साहित्यकार जैसी व्यवस्था न होकर स्वतंत्र साहित्य सर्जन अधिक होता था इसलिए उसकी वस्तुनिष्ठता दरबारी साहित्यकारों या इतिहासकारों से अधिक होने की संभावना सदैव बनी रहती है लेकिन फिर भी साहित्य संपूर्ण रूप से इतिहास नहीं होता। साहित्य की रचना का प्रमुख आधार इतिहास हो सकता है इसलिए उसमें ऐतिहासिक जानकारियां अवश्य होती हैं लेकिन उसे अपने आपमें इतिहास मान लेना अनेक भ्रांत धारणाओं का कारण बन जाता है और ऐसा ही हमारे इतिहास के साथ हुआ है। जैसे हमने सम्राट पृथ्वीराज चौहान के इतिहास को जानने के लिए चंद्रबरदाई रचित साहित्यिक कृति पृथ्वीराज रासो को ही इतिहास मान लिया और परिणाम स्वरूप हमारे इतिहास को लेकर अनेक भ्रांतियां गढ़ ली गईं जबकि इतिहास के शोधार्थी इस पुस्तक के कालखंड और सम्राट पृथ्वीराज चौहान के कालखंड को भी एक नहीं मानते बल्कि इसे पृथ्वीराज जी के बहुत बाद लिखा हुआ ग्रंथ मानते हैं। इसी प्रकार हमने मलिक मुहम्मद जायसी द्वारा लिखित 'पद्मावत' काव्य को इतिहास मान लिया और उसी के आधार पर राणा रतन सिंह व महाराणी पद्मनी का इतिहास बताने लगे जबकि इतिहास के शोधार्थी कहते हैं कि 'पद्मावत' बहुत बाद का साहित्यिक ग्रंथ है। वास्तव में साहित्य कभी भी ऐतिहासिक दृष्टिकोण से नहीं लिखा जाता बल्कि वह साहित्यकार की रूचि और सृजनात्मकता का विषय होता है जो वह तात्कालिक समाज की परिस्थितियों से प्रभावित होकर उस पर अपने दृष्टिकोण को अपनी सृजनात्मकता के माध्यम से प्रकट करता है। लेकिन प्रायः साहित्य के विषय ऐसे ऐतिहासिक पात्र होते हैं जो जनमानस में सम्मान की दृष्टि से देखें जाते हैं और उनको आधार बनाकर या नायक बनाकर परवर्ती साहित्यकार जनमानस में उनके बारे में प्रचलित कथाओं को आधार बनाकर अपना साहित्य रचता है और उसे कलात्मक व रूचिकर बनाने के लिए उसमें अपनी कल्पनाशक्ति का भी उपयोग करता है। इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि परवर्ती साहित्यकारों के साहित्य में ऐतिहासिकता नहीं होती लेकिन यह बात भी उतनी ही सत्य है कि उनमें विशुद्ध ऐतिहासिकता नहीं होती। परवर्ती साहित्यकारों की अपेक्षा समकालीन साहित्यकारों के वर्णन को घटनाओं की वास्तविकता के अधिक निकट पाया जा सकता है क्योंकि वे साहित्यकार के जीवनकाल में घटी घटनाएं होती हैं लेकिन उन्हें भी यथारूप ऐतिहासिक नहीं माना जा सकता क्योंकि साहित्यकार का लक्ष्य इतिहास लेखन नहीं बल्कि साहित्य सृजन होता है और उसमें उसकी स्वयं के दृष्टिकोण व उस समय की जनता की साहित्यिक रूचि का भी उल्लेखनीय योगदान होता है इसलिए उसे भी यथारूप इतिहास नहीं माना जा सकता लेकिन फिर भी वह उपलब्ध स्रोतों में से वास्तविक इतिहास के सर्वाधिक निकट होता है। इस प्रकार इतिहास लेखन एक जटिल विषय है, यह अपने आप में एक विज्ञान होता है, शोध के परिणामस्वरूप प्रकट होता है और सबसे बड़ी बात कि इतिहास कोई कहानी नहीं होती बल्कि तथ्यों का संकलन होता है। लेकिन हमारे साथ यह विडंबना यही कि हमारे इतिहास को कहानियों की तरह ही लिखा व पढ़ा गया और बताया गया इसलिए हमारी रूचि भी कहानियों में ही अधिक होती है। यदि इतिहास का कोई शोधग्रंथ हमारे सम्मुख आ जाए तो हमारी रूचि उसमें उतनी नहीं होती लेकिन यदि उसी बात को कुछ साहित्यिक पुट देकर कहानी के रूप में पेश किया जाए तो हम उसे चटकारे लेकर पढ़ते हैं। हमारी इसी रूचि का लाभ उठाने के लिए साहित्यकार इतिहास को आधार बनाकर साहित्य रचते हैं और कालांतर में हम उसे इतिहास मान लेते हैं। इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण कवि कन्हैयालाल सेठिया जी की वह कविता है जिसे उन्होंने महाराणा प्रताप के संघर्ष पूर्ण जीवन को शब्दों में पिरोने के लिए लिखी और कालांतर में जनमानस ने उसे ही इतिहास मान लिया। किसी ने यह जानने का प्रयास नहीं किया कि महाराणा के संघर्ष काल में अमरसिंह जी की आयु कितनी थी, क्या उस समय कोई जंगली बिल्ली उनके हाथ से रोटी छीन सकती थी लेकिन जन मानस ने इस तह तक जाने का प्रयास नहीं किया और जनता में भ्रम फैलाकर हमारे इतिहास को विकृत करने की चाह रखने वालों ने इस कविता के आधार पर यह प्रचलित कर दिया कि महाराणा ने संघर्ष और कष्टों से परेशान होकर अकबर को संधिपत्र लिख दिया था। ऐसा ही ऐतिहासिक पात्रों को आधार बनाकर बनी फिल्मों में होता है। फिल्में भी एक तरह से साहित्यिक कृतियां ही हैं जिसमें फिल्मकार शुद्ध रूप से व्यवसायिक दृष्टिकोण से हमारी साहित्य को ही इतिहास मानने की वृति का आधार लेकर अपने लाभ के लिए वह सब परोसता है जिसे सर्वाधिक देखा जाए और उसका लाभ गुणित हो सके। हमारा विरोध उसे और अधिक प्रचारित करता है, जनता में उसके प्रति रूचि जागृत करता है, उसका लाभ बढ़ाता है और अन्य फिल्मकारों को भी ऐसी फिल्में बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। ऐसे में हमें यह जानना, मानना और प्रचारित करना आवश्यक है कि साहित्य साहित्य होता है इतिहास नहीं होता। साहित्य में इतिहास होता है लेकिन साहित्य ही इतिहास नहीं होता। इसलिए सर्वप्रथम हमें स्वयं इतिहास को कहानियों के रूप में पढ़ने की अपेक्षा शोध ग्रंथों के रूप में पढ़ना पड़ेगा। यदि ऐसे शोध उपलब्ध नहीं हैं तो शोध करना पड़ेगा। हम स्वयं शोध कर नहीं सकते तो शोधार्थियों को प्रोत्साहित करना पड़ेगा। इसके अभाव में हमारे विरोधी लोग अपने ही दृष्टिकोण से शोध करेंगे और वे अपने दृष्टिकोण को पुष्ट करने के लिए उपलब्ध साहित्य में से सामग्री ढूंढकर उसका मनमाना अर्थ स्थापित करते जाएंगे और हम केवल उनके विरोध को ही हमारा पुरुषार्थ मानकर संतुष्ट होते रहेंगे। जैसा आजकल प्रतिहारों के विषय में हो रहा है, सम्राट पृथ्वीराज के विषय में हो रहा है। जैसा रासौ के अग्निकुंड वाले उद्धरण को आधार बनाकर हमें विदेशी बता दिया गया, 8वीं या 12वीं शताब्दी के बाद का बता दिया गया। यदि इतिहास के विषय में निरंतर शोध करने व शोध को प्रोत्साहित करने की ओर हमने ध्यान नहीं दिया तो इस विषय को लेकर नित नये आक्रमण हम पर होते रहेंगे और हम सदैव विरोध के नकारात्मक प्रवाह में अपनी ऊर्जा व्यय करते रहेंगे।

डीडवाना में श्री प्रताप फाउंडेशन की बैठक संपन्न

डीडवाना स्थित श्री राजपूत सभा भवन में श्री प्रताप फाउंडेशन की बैठक 12 जून को अपराह्न पश्चात आयोजित की गई जिसमें पिछली जयपुर बैठक में तय किए गए बिंदुओं पर हुई प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में बाड़मेर में होने वाले किसान सम्मेलन की जानकारी दी गई और उसी तर्ज पर नागौर में कार्यक्रम आयोजित करने की संभावनाओं पर चर्चा की गई। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा तथा वरिष्ठ स्वयंसेवक भवानी सिंह मुंगेरिया सहयोगियों सहित बैठक में उपस्थित रहे।

दधवाड़ा में राजपूत समाज द्वारा सामाजिक सद्भावना की पहल

नागौर जिले में मेड़ता उपखंड के गांव द्वारा में राजपूत समाज के लोगों द्वारा सामाजिक सद्भावना की अनुकरणीय मिसाल पेश करते हुए दलित दूल्हे की घोड़ी पर बिंदोली निकाली गई। गांव के दुर्ग सिंह चौहान ने बताया कि 26 मई को गांव के मेघवाल परिवार की बेटी के विवाह के अवसर पर राजपूत समाज के लोगों ने दूल्हे की बिंदोली निकालने की इच्छा जताई और उसी के अनुरूप राजपूत समाज के सदस्यों द्वारा घोड़े की लगाम पकड़कर बिंदोली निकाली गई और साथ ही गांव की मुख्य गवाड़ी में बारात का स्वागत किया गया।

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की बैठकों का आयोजन

11 जून को कोटपुतली क्षेत्र के दांतल गांव में श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की बैठक रखी गई जिसमें बताया गया कि हम सब चाहते हैं कि हमारा समाज शक्तिशाली बने। शक्तिशाली बनने का सरलतम उपाय है कि हम देश में चल रही व्यवस्था के अंग बनकर उसकी शक्ति को हासिल करें। श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन इसके लिए विभिन्न उपायों द्वारा समाज में इस शक्ति की भूख जागृत करता है और फिर उसकी तृप्ति के लिए उपाय बताता है। शक्ति को हासिल करने का दूसरा उपाय व्यवस्था पर नियंत्रण स्थापित करना है और उसके लिए राजनीतिक भागीदारी बढ़ानी आवश्यक है, श्री क्षत्रिय युवक संघ का आनुषंगिक संगठन श्री प्रताप फाउंडेशन इसके लिए समाज में काम करता है और विभिन्न उपायों द्वारा समाज की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने को प्रयत्नशील है। लेकिन इन सबसे इतर एक क्षत्रिय के रूप में यदि हम अपना व्यक्तित्व बना लेवें तो समस्त शक्तियों के हम स्वयं स्रोत बन जाते हैं। हमारे व्यक्तित्व को क्षत्रिय के रूप में विकसित करने के लिए शिक्षण और प्रशिक्षण की आवश्यकता है और इसके लिए श्री क्षत्रिय युवक संघ एक निश्चित प्रणाली द्वारा प्रयत्नशील है। हमारे लिए आवश्यक है कि हम किसी न किसी रूप में इस काम में सहयोगी बनें और शक्ति के उपार्जन में संलग्न होवें। बैठक में इस क्षेत्र में संघ के प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने को लेकर भी चर्चा की गई। श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन द्वारा डीडवाना लाडनूं विधानसभा क्षेत्रों के कर्मचारियों की बैठक डीडवाना में 12 जून को आयोजित की गई जिसमें वर्तमान समय में समाज व राष्ट्र की आवश्यकता के अनुसार कर्मचारियों की भूमिका पर विमर्श किया गया जिसमें बताया गया कि परमेश्वर की कृपा से हमें सुरक्षित रोजगार मिला हुआ है ऐसे में समाज के प्रति हमारा दायित्व अन्यों से अधिक है। हमारी इस बैठक का उद्देश्य कर्मचारियों की अन्य बैठकों की तरह कर्मचारी हितों की बात करना नहीं है बल्कि हम हमारी इस स्थिति में समाज के लिए किस प्रकार उपयोगी हो सकते हैं, इस विषय पर विचार करना है। बैठक में बताया गया कि एक कर्मचारी के रूप में सभी श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन, श्री प्रताप फाउंडेशन व श्री क्षत्रिय युवक संघ के काम में कैसे सहयोगी हो सकते हैं। कुलदीप सिंह छपारा, सुरेंद्र सिंह थेबड़ी, चंद्रवीर सिंह सारडी, भगवान सिंह थेबड़ी, शिवपाल सिंह कणवाई, संपत सिंह जैसलान, अजीत सिंह भामास, सुरेंद्र प्रताप सिंह थेबड़ी आदि ने भी अपने विचार रखे और सभी से इस सकारात्मक कार्य में सहयोगी बनने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में श्री क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक माननीय भगवान सिंह जी रोलसाहबसर द्वारा प्रेषित यथार्थ गीता सभी को वितरित की गई। 12 जून को ही रसाल गांव में भी श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की बैठक आयोजित हुई। बैठक में बताया गया कि श्री क्षत्रिय युवक संघ एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है जिसमें विश्राम नहीं है। संघ के साथ चलने के लिए हमें भी निरंतर चलते रहना होगा। संघ का कार्य सात्विक शक्ति के निर्माण का कार्य है जिसके लिए समाज की युवा पीढ़ी के सकारात्मक मार्गदर्शन की आवश्यकता है। इसी दिशा में फाउंडेशन भी संघ के निर्देशन में कार्य कर रहा है। बैठक के पश्चात सभी को यथार्थ गीता पुस्तक भी वितरित की गई। बीकानेर जिले की लूणकरणसर तहसील में उत्तमदेसर, करणीसर बीकान एवं बंधा गांव में भी श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की बैठकें 12 जून को आयोजित हुई। बैठकों के दौरान जुगल सिंह बेलासर ने श्री क्षत्रिय युवक संघ का परिचय प्रस्तुत किया। रविंद्र सिंह मोकलसर ने फाउंडेशन के उद्देश्य और कार्यप्रणाली के बारे में बताया। रणवीर सिंह उत्तमदेसर ने लूणकरणसर क्षेत्र में प्रस्तावित शिविरों के संबंध में जानकारी दी। नारायण सिंह किस्तुरिया ने संचालन किया। 11 जून को सीकर जिले के खुड़ी गांव में भी बैठक का आयोजन किया गया। 10 जून को डीडवाना क्षेत्र के डसानां कला में बैठक आयोजित हुई जिसमें जितेन्द्र सिंह सांवराद, जयसिंह सागु बड़ी ने आनुषंगिक संगठनों की कार्यप्रणाली की जानकारी दी। 9 जून को लाडनूं विधानसभा क्षेत्र के धौलिया में ऐसी ही बैठक रखी गई जिसमें जितेन्द्र सिंह सांवराद, विक्रम सिंह ढींगसरी, जयसिंह सागु बड़ी, राजेन्द्र सिंह धौलिया आदि ने संघ व इसके आनुषंगिक संगठनों के बारे में जानकारी दी। 5 जून को बीकानेर जिले की छतरगढ़ तहसील की तहसील स्तरीय बैठक आयोजित की गई जिसमें रामसिंह चरकड़ा व नवीन सिंह भवाद ने संघ के मार्गदर्शन में फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी।

खौड़ और काणेटी में प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर संपन्न

जालौर संभाग में पाली प्रांत के रानी-फालना मंडल में खौड़ खेतलाजी मंदिर परिसर में 10 से 13 जून तक चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। शिविर का संचालन करते हुए संभागप्रमुख अर्जुन सिंह देलदरी ने कहा कि कोई भी कार्य बिना किसी उद्देश्य के नहीं होता है, इसी प्रकार हमारा भी कोई न कोई उद्देश्य है जिसके लिए ईश्वर द्वारा हमें इस संसार में भेजा गया है। श्री क्षत्रिय युवक संघ हमें उसी उद्देश्य की याद दिला रहा है। क्षत्रिय का जीवन त्यागमय जीवन होता है, हमारे पूर्वजों ने ऐसा ही जीवन जिया है और उसी को सौद्देश्य और सार्थक जीवन कहा जा सकता है। अपनी सामूहिक संस्कारमयी कर्मप्रणाली के छोटे-छोटे कार्यक्रमों के द्वारा श्री क्षत्रिय युवक संघ हमारे भीतर महानता भरने का कार्य कर रहा है और ऐसा करते हुए समाज, राष्ट्र और मानवता के लिए निष्ठावान और कर्मठ सेवकों का निर्माण कर रहा है। शिविर में धिंगाणा, सिराणा, बाला, डेंडा, कूरना, खौड़, जेतपुरा, ठाकुरला, सोनीगरा गुड़ा, सांडेराव, हेमावास, खैरवा, निंबाड़ा, हिरनखुरी, टेवाली आदि गांवों के 140 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रांत प्रमुख मोहब्बत सिंह धिंगाणा सहयोगियों सहित शिविर में उपस्थित रहे। हरिसिंह खौड़, भूपेंद्र सिंह खौड़ और कुलदीप सिंह जेतपुरा ने ग्रामवासियों के सहयोग से व्यवस्था का जिम्मा संभाला। मध्य गुजरात संभाग में अहमदाबाद ग्रामीण प्रांत के काणेटी गांव में 10 से 12 जून तक तीन दिवसीय प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। काणेटी प्राथमिक शाला में संपन्न शिविर का संचालन योगेंद्र सिंह काणेटी ने किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ द्वारा दिया जा रहा यह प्रशिक्षण हमारे गुण, कर्म और स्वभाव के अनुकूल है। क्षात्र धर्म का पालन करते हुए देश, धर्म, संस्कृति की रक्षा ही हमारे लिए ईश्वरीय आराधना है। संगठन के माध्यम से हम सामाजिक नव चेतना का आधार स्तंभ बनें इसीलिए हमें यह प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यहां बताई गई प्रत्येक बात को ध्यान से सुनें, समझें और उसके अनुसार कार्य करें। शिविर में काणेटी, साणंद, पींपण, वासणा, अहमदाबाद और धोलका के युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर की व्यवस्था का जिम्मा काणेटी मंडल के स्वयंसेवकों द्वारा संभाला गया। शिविर के अंतिम दिन अहमदाबाद ग्रामीण प्रांत की प्रांतीय कार्य योजना बैठक भी आयोजित हुई जिसमें आगामी सत्र में किए जाने वाले कार्यों पर चर्चा हुई। शिविर के दौरान पूज्य हरि सिंह जी गढुला की जयंती भी मनाई गई।

काणेटी

हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं

हमारे साथी स्वयंसेवक **रूपसिंह परेऊ** की पुत्री **पूजा कंवर** को 12वीं कलावर्ग में 85.8 प्रतिशत व **सरोज कंवर** को 12वीं कला वर्ग में 77 प्रतिशत अंक हासिल करने पर हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

पूजा कंवर

सरोज कंवर

शुभेच्छु:

समस्त स्वयंसेवक चौपासनी मंडल, जोधपुर

Mobile : 95497-77775, 87428-13538, 98288-34449

जय श्री बॉयज हॉस्टल

BEST FOR | 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, Science Blo, Maths, IIT, NEET, JEE, Foundation, Target

CLC के पास, पिपराली रोड, सीकर
ALLEN के पीछे, शरदलता हॉस्पिटल के पास, पिपराली रोड, सीकर

अलख नयन आई हॉस्पिटल

Super Specialized Eye Care Institute

विश्वस्तरीय सम्पूर्ण नेत्र चिकित्सा सेवाएं

मोतियाबिन्द | कॉर्निया | नेत्र प्रत्यारोपण
कालापानी | रेटिना | बच्चों के नेत्र रोग
डायबिटीक रेटिनोपैथी | ऑक्यूलोप्लास्टि

'अलख हिल्स', प्रताप नगर ऐक्सटेंशन, एयरपोर्ट रोड, उदयपुर
0294-2490970, 71, 72, 9772204624
e-mail : info@alakhnayanmandir.org, Website : www.alakhnayanmandir.org

प्रतापगढ़ में माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ

श्री क्षत्रिय युवक संघ का सात दिवसीय माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर 12 जून को प्रतापगढ़ में धरियावद रोड स्थित वनदेवी नर्सरी में प्रारंभ हुआ। शिविरार्थियों के भाल पर तिलक लगाकर उनका स्वागत करते हुए शिविर संचालक शिम्भू सिंह आसरवा ने कहा कि हमारा आपस में रागात्मक संबंध हैं क्योंकि हमारे भीतर समान पूर्वजों का रक्त प्रवाहित है। इस अपनेपन और स्नेह के बंधन के आधार पर ही सच्चे संगठन का निर्माण हो सकता है इसीलिए श्री क्षत्रिय युवक संघ ने आपको यहां पर बुलाया है। हम अपने आप को ठीक प्रकार से पहचानेंगे तभी हम अपने उद्देश्य और अपने कर्तव्य को भी पहचान सकेंगे। संघ हमें हमारे वास्तविक स्वरूप की पहचान कराने का कार्य कर रहा है। इन 7 दिनों में आपको यहां जो प्रशिक्षण मिलेगा वह सफल तभी होगा जब आप जागरूक रहकर उसमें सहभागी बनेंगे। इसलिए सभी प्रकार की असावधानी और लापरवाही को छोड़कर पूरी तरह से जागरूक रहकर उस तत्व को ग्रहण करने का प्रयास करें जो श्री क्षत्रिय युवक संघ आपको देना चाहता है। शिविर में राजस्थान के प्रतापगढ़, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, नागौर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, पाली, राजसमंद आदि जिलों के साथ ही मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले के युवा भी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

एक साथ तीन पीढ़ियों के बलिदान की स्मृति में पराक्रम यात्रा

18 जून 1576 को हल्दीघाटी युद्ध में अकबर के विरुद्ध महाराणा प्रताप की ओर से युद्ध करते हुए ग्वालियर के राम शाह तोमर अपने तीन पुत्रों शालिवाहन, भवानी सिंह, प्रताप सिंह और अपने पौत्र बलभद्र सिंह के साथ वीरगति को प्राप्त हुए थे। इतिहास में ऐसे उदाहरण विरले ही हैं कि एक ही साथ तीन पीढ़ियां एक ही समय में, एक ही युद्ध में वीरगति को प्राप्त हुई हों। हल्दीघाटी युद्ध के इन वीरों की स्मृति में 10 जून से 18 जून तक नौ दिवसीय पराक्रम यात्रा का आयोजन किया गया। 1350 किलोमीटर लंबी यह यात्रा हल्दीघाटी से प्रारंभ होकर मुरैना में समाप्त हुई। तोमर राम शाह पर शोध करने वाले पूर्व प्राचार्य गोपाल सिंह राठौड़ ने बताया कि 10 जून को रक्त तलाई की पवित्र मिट्टी और समाधि के फूलों को एक ताम्र कलश में रखकर यात्रा प्रारंभ की गई। 10 जून को चित्तौड़ में रात्रि विश्राम के पश्चात यह यात्रा निंबाहेड़ा, नीमच, मंदसौर,जावरा, नागदा, उज्जैन, बड़नगर, बदनावर, धार, इंदौर, देवास, शाजापुर, गुना, शिवपुरी, ग्वालियर, भिंड, मुरैना होते हुए 18 जून को ऐसाह स्थित चिलाय माता के मंदिर पहुंची जहां ताम्रकलश को गंगा में प्रवाहित किया गया। यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर आम नागरिकों द्वारा यात्रा में सम्मिलित होकर वीर बलिदानियों को श्रद्धांजलि दी गई।

महाराणा कुंभा ट्रस्ट के चुनाव संपन्न

महाराणा कुंभा ट्रस्ट भीलवाड़ा के चुनाव 21 मई को संपन्न हुए जिसमें 31 ट्रस्ट सदस्यों का निर्वाचन हुआ। 22 मई को इन सदस्यों द्वारा ट्रस्ट की कार्यकारिणी का निर्वाचन किया गया। मुख्य चुनाव अधिकारी डॉ वीरेंद्र सिंह राठौड़ के निर्देशन में चुनाव संपन्न हुए, जिनमें मणिराज सिंह लुहारिया को कार्यकारिणी का अध्यक्ष चुना गया।

रणविजय सिंह बने 'खेलो इंडिया यूथ गेम्स' में राजस्थान के दलप्रमुख

अडवड गांव के निवासी रणविजय सिंह चंपावत को पंचकूला (हरियाणा) में 2 से 13 जून तक आयोजित हुए चौथे 'खेलो इंडिया यूथ गेम्स' में राजस्थान के 222 खिलाड़ियों का दल प्रमुख चुना गया। रणविजय सिंह पूर्व राष्ट्रीय हैंडबॉल खिलाड़ी तथा स्पोर्ट्स काउंसिल के मैनेजर हैं।

स्वर्गीय उम्मेद सिंह धौली की प्रतिमा का अनावरण

जौहर स्मृति संस्थान के पूर्व अध्यक्ष उम्मेद सिंह धौली की स्मृति में भीलवाड़ा के आसींद में 2 जून को कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें उनकी प्रतिमा का अनावरण किया गया, साथ ही उनके नाम से मार्ग का नामकरण भी किया गया। महाराणा प्रताप वाचनालय और महाराणा प्रताप सेवा संस्थान की ओर से आयोजित कार्यक्रम में पूर्व राज्यपाल वी पी सिंह बदनोर, विधायक जबर सिंह सांखला, नगरपालिका चेयरमैन देवीलाल साहू सहित अनेक गणमान्य सज्जनों ने स्वर्गीय धौली को श्रद्धांजलि अर्पित की। जौहर स्मृति संस्थान के पदाधिकारी भी समाजबंधुओं सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

(पृष्ठ एक का शेष)

परिणाम की...

उपरोक्त संदेश श्री क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक माननीय भगवान सिंह जी रोलसाहबसर ने 6 जून को बाड़मेर स्थित आलोक आश्रम में आयोजित श्री प्रताप फाउंडेशन की एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए दिया। इस एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला में बाड़मेर जिले में श्री प्रताप फाउंडेशन के विस्तार, जिले के समाजबंधुओं में राजनीतिक चेतना को जागृत करना, केंद्र के निर्देशानुसार कार्य योजना को लागू करने आदि बिंदुओं पर चर्चा हुई। आगामी दिनों में बाड़मेर में समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर बड़े स्तर पर एक किसान सम्मेलन के आयोजन की योजना भी बनाई गई। इस सम्मेलन के लिए अपना आशीर्वाद देते हुए माननीय संरक्षक श्री ने कहा कि किसान सम्मेलन एक अनूठी पहल है और मैं इसका स्वागत करता हूं। किसान अपने आप में बड़ा व्यापक शब्द है। हम सब मूल रूप से किसान ही हैं, क्योंकि भारत एक कृषि प्रधान देश है और अधिकतम लोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से खेती और पशुपालन से जुड़े हैं। एक सामान्य किसान की अनेकों समस्याएं होती हैं और उनके समाधान के लिए यदि आप आगे आते हैं तो यह बड़ा पवित्र कार्य होगा। सामान्य जन की पीड़ा को समझ कर उसके समाधान के लिए जो स्वयं को प्रस्तुत करे, वही सच्चा क्षत्रिय है। इसलिए आप संख्या की, संसाधनों की, समय की कमी आदि के बारे में चिंता ना करें और अपना कर्तव्य कर्म समझकर इसमें जुट जाएं। कार्यशाला के दौरान सम्मेलन की तैयारी के लिए विधानसभावार कार्यकर्ताओं को दायित्व भी सौंपे गए। श्री क्षत्रिय युवक संघ के संभागप्रमुख महिपाल सिंह चूली ने श्री प्रताप फाउंडेशन का परिचय प्रस्तुत किया। आजाद सिंह राठौड़ ने आगामी सत्र की कार्य योजना के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन महेंद्र सिंह तारातरा ने किया। रावत त्रिभुवन सिंह बाड़मेर, कल्याणपुर प्रधान उम्मेद सिंह अराबा, पृथ्वी सिंह रामदेरिया, जिला परिषद सदस्य रूप सिंह चौहटन, बाड़मेर प्रधान प्रतिनिधि गिरधर सिंह जसाई, भाजपा नेता खुमान सिंह बालासर, कांग्रेस नेता पंकज प्रताप सिंह झालामंड सहित अनेकों गणमान्य सज्जन कार्यशाला में उपस्थित रहे। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी कृष्ण सिंह रानीगांव भी सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

बारहवीं कक्षा के परिणामों में सफलता प्राप्त करने वाली समाज की होनहार प्रतिभाएं

नागौर जिले के जाखली (मकराना) राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थी चंदन सिंह राठौड़ पुत्र इंद्र सिंह राठौड़ ने राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 12वीं (कला वर्ग) की परीक्षा में 90% अंक प्राप्त किए हैं। अपनी इस उपलब्धि से ग्रामवासियों व विद्यालय के अध्यापकों को गौरवान्वित करने पर पथप्रेरक परिवार की ओर से हार्दिक बधाई व उज्जवल भविष्य की शुभकामना। सौम्या सिंह चौहान पुत्री राजीव सिंह चौहान निवासी कवाई-सालपुरा,, तहसील अटरू, जिला बारां ने 12वीं कक्षा (कला वर्ग) में 93.40% अंक प्राप्त कर राजस्थान के प्रथम 10 विद्यार्थियों में स्थान प्राप्त करते हुए जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। ऐसी होनहार बालिका को पथप्रेरक परिवार की ओर से हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की मंगल कामना। सीकर जिले के तासर छोटी गांव की दो बहनों ज्योति कंवर तथा कंचन कंवर ने क्रमशः 98% और 97.80% अंक प्राप्त किए हैं। इनके पिता नरपत सिंह दूध का व्यापार करते हैं। इन दोनों प्रतिभाओं का समाजबंधुओं द्वारा सम्मान किया गया जिसमें श्री राजपूत सभा अध्यक्ष मदन सिंह गोगावास, शेखावाटी प्रांत प्रमुख जुगराज सिंह जूलियासर सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। पथप्रेरक परिवार की ओर से दोनों बालिकाओं को इस सफलता की हार्दिक बधाई और उज्जवल भविष्य के लिए मंगल कामनाएं। अजमेर के प्रांत प्रमुख विजयराज सिंह जालिया के पौत्र अजय सिंह ने भी 12वीं विज्ञान में सभी विषयों में विशेष योग्यता सहित 89.6 प्रतिशत अंक हासिल किए है।

मेवाड़ का गुहिल वंश

हम्मीर सीसोदे की छोटी सी जागीर का स्वामी था। अपने वंश के परम्परागत राज्य की परतंत्रता हम्मीर के पुरूषार्थ को चुनौती दे रही थी। उसे स्वतंत्र कराने के लिए हम्मीर ने मेवाड़ी वीरों की एक छोटी सी सेना तैयार कर मालदेव सोनगरा के समय ही लागातार धावे करके उसके लिए प्रशासनिक समस्याएं खड़ी कर दी। मालदेव सोनगरा के बाद उसके पुत्र जैसा के समय हम्मीर ने राजधानी चित्तौड़ पर अधिकार कर सम्पूर्ण मेवाड़ पर नियंत्रण स्थापित किया, इस प्रकार गुहिलवंश की सीसोदिया शाखा का राज्य मेवाड़ में स्थापित हुआ। मेवाड़ पर हम्मीर के अधिकार के बाद मालदेव का पुत्र जैसा दिल्ली सुल्तान मुहम्मद तुगलक से सैन्य सहयोग प्राप्त करने गया। जैसा की सहायता के लिए मुहम्मद तुगलक विशाल सेना के साथ चित्तौड़ पर चढ़ आया। सिंगोली गांव के पास मुहम्मद तुगलक और हम्मीर के मध्य युद्ध हुआ। हम्मीर के पराक्रम और युद्ध कौशल के समक्ष तुर्क सेना परास्त होकर भाग गई। मुहम्मद तुगलक को बंदी बनाकर चित्तौड़ में रखा गया। सुल्तान के क्षमा याचना करने पर उससे दण्ड वसूल कर-के तीन माह बाद हम्मीर ने उसे मुक्त कर दिया। हम्मीर ने अनेक युद्धों में विजय प्राप्त की, महाराणा कुम्भा द्वारा रचित रसिक प्रिया तथा कीर्ति स्तम्भ प्रशस्ति में हम्मीर को 'विषम घाटी पंचानन' (विकट आक्रमणों में सिंह के सदृश) कहा है जो उसकी वीरता व पराक्रम का सूचक है। उसने अवनति को पहुंचे मेवाड़ को पुनः उसके गौरव तक पहुंचाया। हम्मीर ने संघर्ष रत होते हुए भी मेवाड़ में अनेक मंदिरों का निर्माण करवाया। वि.सं. 1421 में हम्मीर का देहान्त हुआ। महाराणा हम्मीर के बाद उनका ज्येष्ठ पुत्र क्षेत्रसिंह (जनश्रुतियों में 'खेता' 'खेतसी' नाम से प्रसिद्ध) मेवाड़ का शासक बना। महाराणा हम्मीर के समय हाड़ौती के हाड़ाओं का मेवाड़ के साथ मधुर संबंध था, परन्तु क्षेत्रसिंह के समय मधुर संबंध बैरभाव में बदल गए जिस पर क्षेत्रसिंह ने उन पर सैन्य अभियान कर उनको पूर्णतया अपने अधीन कर लिया। कुम्भलगढ़ के शिलालेख के अनुसार क्षेत्रसिंह ने हाड़ावटी के स्वामियों को जीतकर उनका मंडल (देश) अपने अधीन कर लिया और उनके करातमंडल मंडलकरं (मांडलगढ़) को नष्ट कर दिया। महाराणा क्षेत्रसिंह ने ईडर के शासक समल्ल को भी परास्त किया। शृंगी ऋषि के शिलालेख के अनुसार 'क्षेत्रसिंह ने अपनी तलवार के बल पर युद्ध में अमीशाह को जीता, उसकी अशेष यवन सेना को नष्ट किया और वह उसका सारा खजाना तथा असंख्य घोडे अपनी राजधानी में ले आया।' कुम्भलगढ़ के शिलालेख में इस अलंकारिक भाषा में बताया गया है 'मालवा का स्वामी शकपति उससे ऐसा पिटा की स्वप्न में भी उसे ही देखता है। सर्प रूपी उस राजा ने मेढक रूपी अमीशाह को पकड़ा था।' यह अमीशाह (दिलावर खां गौरी) मालवा का सुलतान था। क्षेत्रसिंह भी अपने पिता की भांति एक पराक्रमी और सुयोग्य शासक था, जिसने मेवाड़ की गौरव पताका को फहराया था। महाराणा क्षेत्रसिंह का देहान्त वि.सं. 1439 ई. में हुआ। **(क्रमशः)**

IAS/ RAS
तैयारी करने का राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
स्प्रिंग बोर्ड
Spring Board
Springboard Academy, Main Riddi Siddi choraha, Opposite Bank of Baroda, Gopalpura bypass Jaipur
website : www.springboardindia.org

(पृष्ठ एक का शेष)

उत्साहपूर्वक...

और अपनों के बीच आकर उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का यह अवसर पाकर वे स्वयं को सौभाग्यशाली अनुभव कर रहे हैं। विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय महामंत्री मिलिंद परांडे ने कहा कि पृथ्वीराज चौहान के जीवन से धर्म रक्षा की प्रेरणा हम सभी को लेनी चाहिए। सम्राट पृथ्वीराज चौहान जयंती समारोह समिति के अध्यक्ष इंदर सिंह बागावास ने कहा कि सम्राट पृथ्वीराज चौहान हमारे गौरवशाली इतिहास का अभिन्न अंग हैं जिनसे हमारी युवा पीढ़ी को परिचित कराना हम सभी का दायित्व है। पृथ्वीराज चौहान जन्मोत्सव पखवाड़े के अंतर्गत मगरा क्षेत्र के गांवों और ढाणियों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें सभी ग्राम वासियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। पखवाड़े के सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति के कार्यकर्ताओं द्वारा एक माह तक संपर्क, प्रचार-प्रसार आदि करके हवन, रक्तदान जैसी गतिविधियां और कबड्डी व कुश्ती की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जयपुर में कालवाड़ रोड पर भी पृथ्वीराज चौहान की जयंती के उपलक्ष में कार्यक्रम आयोजित किया गया। पूर्व कैबिनेट मंत्री राजपाल सिंह शेखावत, पूर्व कैबिनेट मंत्री यूनुस खान व श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के यशवर्धन सिंह झेरली ने कार्यक्रम को संबोधित किया और सम्राट पृथ्वीराज चौहान की वीरता को नमन किया। वक्ताओं ने कहा कि क्षत्रिय योद्धा किसी एक जाति के लिए नहीं बल्कि समस्त समाज के लिए लड़ते थे। सम्राट पृथ्वीराज चौहान का 26 वर्ष का छोटा सा जीवन देश के युवाओं के लिए आज भी प्रेरणा स्रोत बना हुआ है। सभी को उनसे राष्ट्रप्रेम, शौर्य और उदारता की प्रेरणा लेनी चाहिए लेकिन महापुरुषों की पहचान को बदलने का प्रयास किसी को भी नहीं करना चाहिए क्योंकि ऐसा कृत्य समाज व राष्ट्र की एकता के लिए नुकसानदेह है। मारवाड़ राजपूत सभा जोधपुर के प्रांगण में सम्राट पृथ्वीराज चौहान की जयंती मनाई गई। 11 जून को महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर में पृथ्वीराज चौहान ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक शोध केंद्र के तत्वावधान में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन भी हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आरपीएससी के पूर्व अध्यक्ष शिव सिंह राठौड़ ने कहा कि पृथ्वीराज चौहान हमारे इतिहास के महानायक हैं और वर्तमान में भी प्रशासन आदि क्षेत्रों में उनसे प्रेरणा ली जा सकती है। ओंकार सिंह लखावत ने सम्राट पृथ्वीराज के जीवन पर और अधिक शोध की आवश्यकता जताई और इस क्षेत्र में कार्य करने वाले युवाओं को प्रोत्साहन देने की बात कही। राजेश्वर सिंह ने बताया कि सम्राट पृथ्वीराज की वीरता का भारतीय संस्कृति पर अमिट प्रभाव है। संगोष्ठी के दौरान डॉ नरसिंह परदेसी की पुस्तक 'रायपिथौरा सम्राट पृथ्वीराज चौहान' का विमोचन भी किया गया। कुलपति प्रोफेसर अनिल कुमार शुक्ला ने सम्राट पृथ्वीराज चौहान के संदर्भ में इतिहास के पुनर्सीमांकन की आवश्यकता बताई। 2016 से कार्यरत इस शोध केंद्र द्वारा आयोजित यह छठी संगोष्ठी है। संगोष्ठी के दौरान पृथ्वीराज चौहान के जीवन, युद्ध अभियान, अभिलेख आदि के संबंध में पत्रवाचन भी किया गया।

अपने भीतर...

उन्होंने बताया कि महाराणा प्रताप के इतिहास से संबंधित अनेक भ्रांतियां भी प्रचलित हैं जिनका खंडन करना आवश्यक है। हल्दीघाटी के युद्ध में अकबर का एक ही उद्देश्य था महाराणा प्रताप को जीवित अथवा मृत पकड़ना, लेकिन वह उद्देश्य सफल नहीं हो सका। इसलिए हल्दीघाटी के युद्ध में किसी भी प्रकार से अकबर की विजय नहीं हुई। यदि विजय हुई होती तो उसे बार-बार चित्तौड़ पर आक्रमण करने की आवश्यकता नहीं होती। हल्दीघाटी के युद्ध के पश्चात भी अनेकों बार उसने आक्रमण करके महाराणा प्रताप को पकड़ने का प्रयास किया लेकिन सफल नहीं हुआ। दिवेर के युद्ध में भी अकबर की सेना को करारी पराजय हुई। उसके बाद भी तीन बार प्रयास करने पर भी जब वह सफल नहीं हो सका तो उसने हार मानकर अफगान की ओर रुख कर लिया। महाराणा प्रताप जयंती समारोह समिति द्वारा महाराणा प्रताप की 483वीं जयंती के उपलक्ष में शौर्य सप्ताह का आयोजन किया गया था जिसके अंतर्गत एक सप्ताह तक विभिन्न स्थानों पर अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनकी पूर्णाहुति 5 जून को सिरसी बाग

मुख्य कार्यक्रम के साथ हुई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ सतीश पूनिया ने कहा कि महाराणा प्रताप का शौर्य रजपूती की शान है। राजस्थान और भारत का इतिहास ऐसे वीरों के निरंतर त्याग से ही महान बन सका है। सांसद रामचरण बोहरा ने महाराणा प्रताप के संघर्ष को नमन करते हुए कहा कि ऐसे ना झुकने वाले वीरों से ही किसी समाज और राष्ट्र को गौरव प्राप्त होता है। मुरली मनोहर जोशी ने प्रताप के सम्मान में वीर रस की कविता का गायन किया। कार्यक्रम के संयोजक प्रेम सिंह बनवासा ने सभी का आभार व्यक्त किया और महाराणा प्रताप के जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही। इस अवसर पर महाराणा प्रताप पर एक चलचित्र का प्रदर्शन कर उनके इतिहास के संबंध में प्रचलित त्रुटियों और छुपाए गए वास्तविक तथ्यों पर प्रकाश डाला गया।

इसी प्रकार अजमेर जिले के केकड़ी में भी महाराणा प्रताप जयंती 2 जून को श्री क्षत्रिय सभा केकड़ी व श्री राजपूत सभा अजमेर के संयुक्त तत्वावधान में मनाई गई। इस दौरान वाहन रैली भी निकाली गई जो अजमेर रोड स्थित महाराणा प्रताप सर्किल से प्रारंभ होकर जगदंबा छात्रावास पहुंची। छात्रावास में आयोजित मुख्य जयंती कार्यक्रम में राजस्थान विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि महाराणा प्रताप के जीवन से प्रेरणा लेकर हमें वर्तमान में समाज और राष्ट्र की सेवा करनी चाहिए। श्री क्षत्रिय युवक संघ के प्रांत प्रमुख विजयराज सिंह जालिया ने कहा कि महाराणा प्रताप का स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिए किया गया संघर्ष हमें पीढ़ियों से प्रेरणा देता आया है और इस प्रेरणापुंज के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करना हम सभी का कर्तव्य है। भाजपा नेता श्रवण सिंह बगड़ी, राजपूत सभा जयपुर के अध्यक्ष राम सिंह चंदलाई, भंवर सिंह पलाड़ा, भंवर सिंह रेटा ने भी अपने विचार रखे। शैलेंद्र सिंह शक्तावत, भूपेंद्र सिंह शक्तावत, होनहार सिंह राठौड़ सहित अनेको गणमान्य समाजबंधु कार्यक्रम में उपस्थित रहे। उदयपुर में भुपाल नोबल्स संस्थान के शताब्दी वर्ष समारोह के अंतर्गत भूपाल नोबल्स पीजी महाविद्यालय के दृश्य कला विभाग द्वारा महाराणा प्रताप की 482वीं जयंती मनाई गई। इस दौरान विभिन्न कलाकृतियों के माध्यम से महाराणा प्रताप के जीवन वृत्त का चित्रांकन किया गया, साथ ही प्रताप के ईष्ट एकलिंग जी के चित्रों का भी प्रदर्शन किया गया। हल्दीघाटी की मिट्टी से बना चित्र भी प्रदर्शित किया गया तथा उपस्थित दर्शकों का हल्दीघाटी की मिट्टी से तिलक भी किया गया। बटुक सिंह कानेटी ने महाराणा प्रताप के जीवन चरित्र के बारे में बताया। अरविंद सिंह कानेटी और दिग्विजय सिंह पलवाड़ा ने भी अपने विचार रखे। कानेटी की बालिका शाखा में भी प्रताप जयंती मनाई गई। भीलवाड़ा के जहाजपुर में भी महाराणा प्रताप जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें उप नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ व विधायक गोपीचंद मीणा उपस्थित रहे। सीकर के श्री कल्याण राजपूत छात्रावास में श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के तत्वाधान में जयंती मनाई गई जिसमें स्थानीय वक्ताओं सहित संघ के केन्द्रीय कार्यकारी रेवंतसिंह पाटोदा ने महाराणा प्रताप को शब्दांजलि अर्पित की। करेड़ा में भी प्रताप जयंती मनाई गई। बानसूर में श्री राजपूत शिक्षा समिति, बानसूर के तत्वावधान में महाराणा प्रताप जयंती कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़, श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के यशवर्धन सिंह झेरली, देवी सिंह शेखावत सहित अनेक वक्ताओं ने महाराणा प्रताप को स्मरण किया। चित्तौड़गढ़ के निंबाहेड़ा में भी महाराणा प्रताप की जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई जिसमें सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना, पालिकाध्यक्ष सुभाष चंद्र शारदा, भाजपा नेता श्रीचंद कृपलानी सहित अनेको गणमान्य व्यक्तियों ने महाराणा प्रताप को पुष्पांजलि अर्पित की। भदेसर, गंगरार, बस्सी और मंगलवाड़ में भी जयंती मनाई गई। भीलवाड़ा के आसींद में भी 2 जून को महाराणा प्रताप जयंती मनाई गई तथा साथ ही प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन भी हुआ। प्रताप सर्किल पर आयोजित कार्यक्रम में पूर्व राज्यपाल वीपी सिंह बदनोर, वरिष्ठ नागरिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष गोपाल सिंह शेखावत, महाराणा भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय उदयपुर के अध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह, मगरा विकास बोर्ड अध्यक्ष हरि सिंह रावत, विधायक जबर सिंह सांखला, नगरपालिका चेयरमैन देवीलाल साहू सहित अनेकों गणमान्य सज्जनों ने महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट की। अमृत भारती विद्यालय परिसर में इस अवसर पर प्रतिभा समारोह भी आयोजित किया गया जिसमें समाज की होनहार प्रतिभाओं को पुरस्कृत किया गया। 5 जून को प्रताप युवा शक्ति के कार्यकताओं द्वारा भीलवाड़ा में प्रताप सर्किल से सूचना केंद्र तक केसरिया साफों व झंडियों के साथ वाहन रैली निकाली गई। तत्पश्चात सभी हिंदू महासभा द्वारा आयोजित सभा में सम्मिलित हुए। नागौर जिले में रायधना स्थित श्री महाराणा प्रताप राजपूत सभागार में सर्वसमाज द्वारा महाराणा प्रताप की जयंती मनाई गई। फुलेरा के लूनियावास में भी महाराणा प्रताप की जयंती मनाई गई जिसमें पूर्व विधानसभा अध्यक्ष राव राजेंद्र सिंह शाहपुरा समाजबंधुओं सहित उपस्थित रहे। पाली जिले के बाली में प्रताप जयंती के अवसर पर महाराणा प्रताप के साथ ही पृथ्वीराज चौहान छत्रपति शिवाजी और वीर दुर्गादास राठौड़ का भी स्मरण किया गया। इस दौरान शोभायात्रा भी निकाली गई। तत्पश्चात प्रताप चौक पर धर्म सभा का आयोजन हुआ। पाली जिले के चाणोद कस्बे में भी जयंती मनाई गई तथा प्रताप सर्किल स्थित महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। सांडेराव कस्बे के अंबिका मंदिर परिसर में भी प्रताप जयंती मनाई। रायपुर मारवाड़ कस्बे में जयंती के अवसर पर वाहन रैली का आयोजन किया गया। रैली प्रातः 9 बजे रायपुर से रवाना होकर हरिपुर होते हुए चावंडिया खुर्द पहुंची। सबलपुरा में आयोजित जयंती कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रमुख प्रहलाद सिंह सबलपुरा ने महाराणा प्रताप के शौर्य के बारे में बताया। फालना में श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना द्वारा प्रताप जयंती मनाई गई। रानी में सिसोदिया खारोल युवा संघ द्वारा जयंती कार्यक्रम का आयोजन हुआ। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के साहिबाबाद में अखंड राजपूताना सेवा संस्थान के तत्वावधान में प्रताप जयंती मनाई गई। इस दौरान क्षेत्र में महाराणा प्रताप की प्रतिमा स्थापित करने का भी निर्णय लिया गया। चंडीगढ़ में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा द्वारा प्रताप जयंती मनाई गई जिसमें महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र सिंह तंवर ने कहा कि प्रताप की राष्ट्रभक्ति आज भी हम सभी को प्रेरित करती है। 5 जून को महाराणा प्रताप एकता मंच भायंदर द्वारा महाराणा प्रताप जयंती के उपलक्ष्य में बी पी रोड से महाराणा प्रताप चौक तक रैली का आयोजन किया गया जिसमें महाराष्ट्र संभाग प्रमुख नीर सिंह सिंघाना स्वयंसेवकों सहित उपस्थित रहे। राजपूत सभा जयपुर के पदाधिकारियों ने सभा कार्यालय में प्रताप जयंती मनाई।

पूज्य हरि सिंह जी बापू गढुला की जयंती मनाई

श्री क्षत्रिय युवक संघ को गुजरात में ले जाने वाले पूज्य हरि सिंह जी बापू गढुला की जयंती गोहिलवाड़ संभाग के मोरचंद प्रांत में शाखा स्तर पर 10 जून को अवाणियां में मनाई गई। केंद्रीय कार्यकारी महेंद्र सिंह पांची ने पूज्य बापू का जीवन परिचय प्रस्तुत करते हुए कहा कि उनकी कर्मशीलता और निष्ठा से हम सभी को प्रेरणा लेने की आवश्यकता है और उन्हीं की भांति हमें भी श्री क्षत्रिय युवक संघ को गांव-गांव नगर-नगर तक पहुंचा कर पूज्य तन सिंह जी के स्वप्न को साकार करने में सहयोगी बनना है। मंगल सिंह

धोलेरा स्वयंसेवकों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। भावनगर शहर प्रांत द्वारा कालियाबीड की तक्षशिला शाखा में भी 12 जून को पूज्य हरि सिंह जी बापू की जयंती मनाई गई जिसमें स्वयंसेवकों व समाजबंधुओं ने सम्मिलित होकर पूज्य बापू के प्रति श्रद्धा प्रकट की।

गुढ़ा में मनाई चांदा जी की 517वीं जयंती

अजमेर जिले के गुढ़ा गांव में 8 जून को वीर वर चांदा जी की 517 वी जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। बलूंदा ठाकुर गोपाल सिंह, आईएएस शक्ति सिंह, महेंद्र सिंह मझेवला, भंवर सिंह पलाड़ा आदि वक्ताओं ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वीरवर चांदा जी के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता प्रकट की और कहा कि समाज में समय के साथ जो रूढ़ियां और कुरीतियां आ गई हैं उन्हें दूर करने की आवश्यकता है, साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में समाज के बालक बालिकाओं को आगे बढ़ाना समय की मांग है जिसके लिए सभी को मिलकर कार्य करने की आवश्यकता

है। आरटीओ वीरेंद्र सिंह मझेवला, डॉक्टर भंवर सिंह, देवेंद्र सिंह, राम प्रताप सिंह, जसवंत सिंह, कंचन कंवर, लक्ष्मी कंवर, नारायण सिंह गोटन, भंवर सिंह रेवत, राजू सिंह रोहिणा, रविंद्र सिंह बनवाड़ा सहित अनेको गणमान्य सज्जन कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान समाज की प्रतिभाओं का भी सम्मान किया गया।

राजपूताना समाज दिल्ली का रजत जयंती समारोह

18 मई 2022 को दिल्ली स्थित तमिल संगम सभागार में राजपूताना समाज दिल्ली का रजत जयंती समारोह आयोजित हुआ जिसमें युवा नेता अभिमन्यु सिंह राजवी, सांसद मनोज तिवारी की पत्नी सुरभि, पूर्व विधायक अनिल शर्मा आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार आदि प्रदेशों के अनेकों प्रशासनिक अधिकारी व समाजसेवी

सम्मिलित हुए। समारोह के दौरान संस्था की सांस्कृतिक इकाई राजस्थानी संस्कृति परिषद के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। संस्था के अध्यक्ष सवाई सिंह निर्वाण व महासचिव ओनार सिंह शेखावत ने सभी का आभार व्यक्त किया।

शैलेंद्र सिंह बने पटना उच्च न्यायालय में न्यायाधीश

राजस्थान के झुंझुनू जिले की उदयपुरवाटी तहसील के गिरावड़ी गांव के मूल निवासी शैलेंद्र सिंह को माननीय राष्ट्रपति महोदय द्वारा 1 जून 2022 को पटना उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। इनके पिता भँवर सिंह शेखावत भी राजस्थान उच्च न्यायिक सेवा के सेवानिवृत अधिकारी हैं। शैलेंद्र सिंह राजस्थान में अभियोजन अधिकारी रहे हैं और अधिवक्ता संवर्ग से 2010 में बिहार में अपर जिला न्यायाधीश पद पर चयनित हुए थे।

अजमेर में 21वां प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न

श्री क्षत्रिय प्रतिभा विकास एवं शोध संस्थान अजमेर का 21वां प्रतिभा सम्मान समारोह 12 जून को अजमेर के जवाहर रंगमंच पर संपन्न हुआ। समारोह के दौरान अखिल भारतीय पुलिस सेवा, राजस्थान प्रशासनिक सेवा आदि में चयनित व राजनीति, खेलकूद एवं सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली राजपूत समाज की लगभग डेढ़ सौ प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। राजस्थान पर्यटन विकास निगम के चेयरमैन धर्मेंद्र सिंह राठौड़ ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि समाज के युवाओं एवं युवतियों को सभी क्षेत्रों में आगे आना चाहिए चाहे वह शिक्षा का क्षेत्र हो, राजनीति का अथवा समाज सेवा का क्षेत्र हो। प्रतिभावान युवा जब आगे बढ़कर समाज का नेतृत्व करेंगे तभी समाज की नई पीढ़ी को सही मार्गदर्शन मिल पाएगा। समताराम महाराज ने कहा कि क्षत्रिय समाज सदैव ही संपूर्ण समाज के लिए आदरणीय और मार्गदर्शक रहा है। दलपत सिंह रुणीजा ने कहा कि समाज के गौरवशाली इतिहास से प्रेरणा लेकर वर्तमान के निर्माण का प्रयास किया जाना चाहिए। जिला प्रमुख सुशीला कंवर पलाड़ा ने समाज से कुरीतियों को दूर करने की बात कही। वल्लभनगर विधायक प्रीति गजेंद्र सिंह शक्तावत, आरपीएससी के पूर्व अध्यक्ष शिव सिंह राठौड़, ओएनसीएससजी के चेयरमैन शक्ति सिंह राठौड़, ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता महावीर सिंह सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम के दौरान उपस्थित रहे और अपने विचार रखे। संस्थान के अध्यक्ष भवानी सिंह मूंडरू ने सभी का आभार व्यक्त किया। जय सिंह राठौड़ एवं अर्चना राठौड़ ने मंच संचालन किया।

माननीय संरक्षक श्री से जसोल व मेवाराम जैन की शिष्टाचार भेंट

राजस्थान सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह जसोल और राजस्थान गो सेवा आयोग के अध्यक्ष मेवाराम जैन 13 जून को अलग-अलग समय पर आलोक आश्रम, बाड़मेर पहुंचे तथा श्री क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक माननीय भगवान सिंह जी रोलसाहबसर से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान विभिन्न सामाजिक व राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा भी हुई। वरिष्ठ स्वयंसेवक नरपत सिंह चिराणा द्वारा दोनों अतिथियों का स्वागत किया गया। मेवाराम जैन के साथ बाड़मेर के उपसभापति सुल्तान सिंह देवड़ा भी उपस्थित रहे।

शौर्यवर्धन सिंह सुल्ताना का पोस्टर प्रतियोगिता में चयन

राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा झुंझुनू जिला स्तरीय पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन करके तीन सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियों का चयन किया गया। इन चयनित प्रतिभागियों में सुल्ताना गांव निवासी शौर्यवर्धन सिंह भी सम्मिलित है जो छठी कक्षा का विद्यार्थी है। शौर्यवर्धन के नाना छुट्टन सिंह दाबड़दुंबा श्री क्षत्रिय युवक संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक हैं।

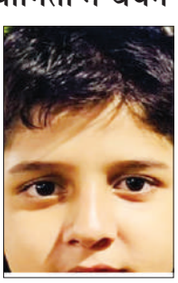

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (मालिक) के लिए मुद्रक व प्रकाशक लक्ष्मणसिंह द्वारा गजेंद्र प्रिन्टर्स, सांगों का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर-302003 (दूरभाष 2313462) से मुद्रित एवं ए/8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 **(दूरभाष: 2466353 व 2466387)** से प्रकाशित। सम्पादक- लक्ष्मणसिंह। Email:- pathprerak1997@gmail.com, Web site:- www.shrikys.org